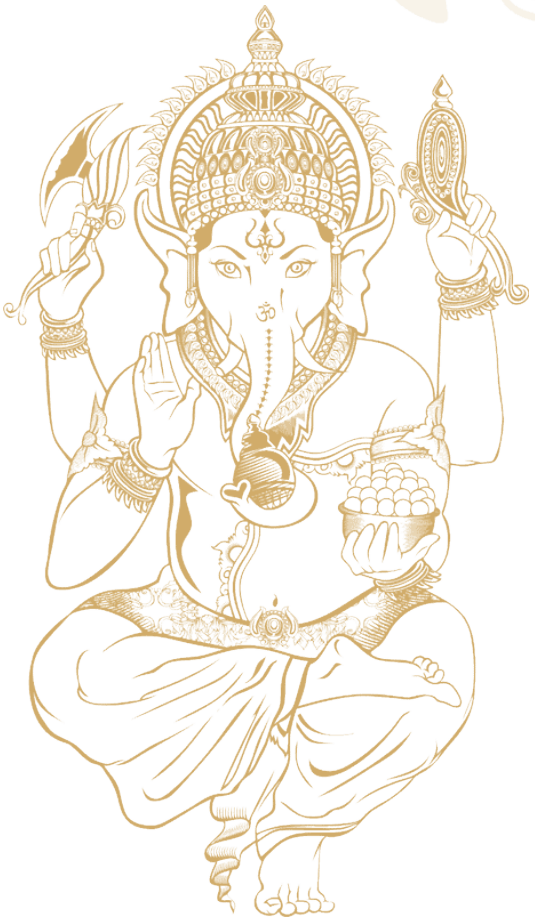

Mr.vn

28 Oct 1982

01:45 AM

Bikaner

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 119977810

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
27-28/10/1982	जन्म तिथि	**27-28/10/2025**
बुध-गुरुवार	दिन	सोम-मंगलवार
घंटे 01:45:00	जन्म समय	02:13:55 घंटे
घटी 47:31:58	जन्म समय(घटी)	48:43:18 घटी
India	देश	India
Bikaner	स्थान	Bikaner
उत्तर 28:01:00	अक्षांश	28:01:00 उत्तर
पूर्व 73:22:00	रेखांश	73:22:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:36:32	स्थानिक संस्कार	-00:36:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:44:12	सूर्योदय	06:44:35
17:56:30	सूर्यास्त	17:56:01
23:36:43	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:07
सिंह	लग्न	सिंह
सूर्य	लग्न लग्नाधिपति	सूर्य
कुम्भ	राशि	धनु
शनि	राशि-स्वामी	गुरु
शतभिषा	नक्षत्र	पूर्वाषाढ़ा
राहु	नक्षत्र स्वामी	शुक्र
2	चरण	2
वृद्धि	योग	सुकर्मा
वणिज	करण	तैतिल
सा-सात्विक	जन्म नामाक्षर	धा-धारिणी
वृश्चिक	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक
शूद्र	वर्ण	क्षत्रिय
मानव	वश्य	मानव
अश्व	योनि	वानर
राक्षस	गण	मनुष्य
आद्य	नाड़ी	मध्य
मेष	वर्ग	सर्प
43	गत/तत्कालिक वर्ष	44

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
मघा	2	03:51:30	सिंह			लग्न			सिंह	10:03:40	4	मघा
स्वाति	2	10:28:16	तुला			सूर्य			तुला	10:28:16	2	स्वाति
शतभिषा	2	12:07:28	कुंभ			चंद्र			धनु	19:46:54	2	पूर्वाषाढ़ा
मूल	1	03:19:53	धनु			मंगल			वृश्चि	00:18:38	4	विशाखा
चित्रा	1	26:15:56	कन्या			बुध			वृश्चि	04:06:05	1	अनुराधा
विशाखा	2	23:34:51	तुला			गुरु			कर्क	00:34:29	4	पुनर्वसु
स्वाति	1	08:37:49	तुला		अ	शुक्र			कन्या	23:10:46	4	हस्त
चित्रा	3	02:38:37	तुला		अ	शनि	व		मीन	01:46:40	4	पू०भाद्रपद
आर्द्रा	2	12:52:47	मिथु	व		राहु	व		कुंभ	22:50:15	1	पू०भाद्रपद
मूल	4	12:52:47	धनु	व		केतु	व		सिंह	22:50:15	3	पू०फाल्गुनी
अनुराधा	2	09:26:46	वृश्चि			मु			मीन	03:51:30	1	उ०भाद्रपद

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:07

लग्न-चलित

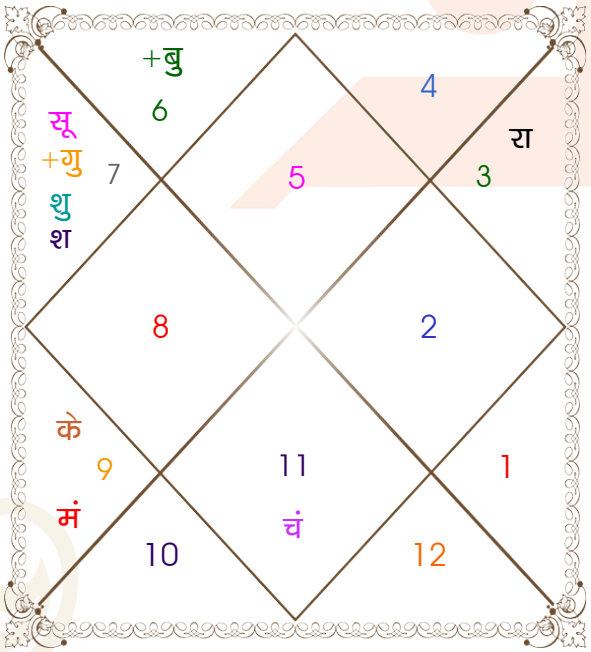

वर्ष लग्न कुंडली

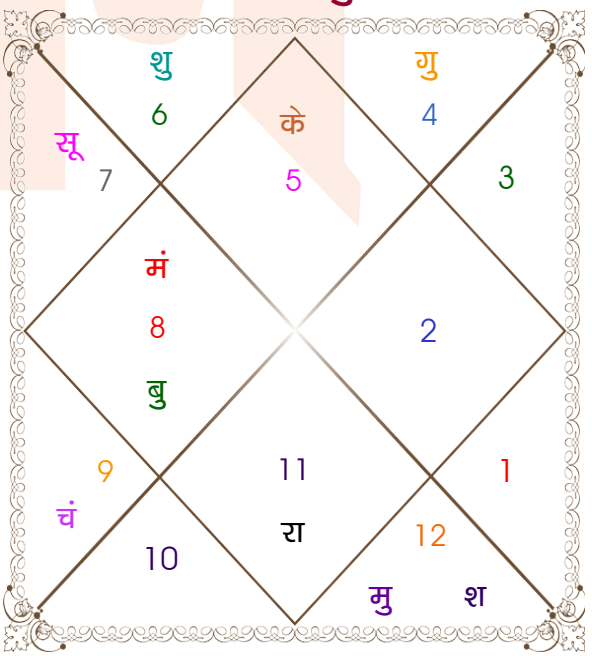

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

शनि - राहु - मंगल	
03/10/2025 02:12	
02/12/2025 19:33	
मंगल	06/10/2025 15:13
राहु	15/10/2025 17:49
गुरु	23/10/2025 20:07
शनि	02/11/2025 10:52
बुध	11/11/2025 01:20
केतु	14/11/2025 14:20
शुक्र	24/11/2025 17:14
सूर्य	27/11/2025 18:06
चंद्र	02/12/2025 19:33

शनि - गुरु - गुरु	
02/12/2025 19:33	
05/04/2026 04:30	
गुरु	19/12/2025 06:20
शनि	07/01/2026 19:09
बुध	25/01/2026 06:38
केतु	01/02/2026 11:21
शुक्र	22/02/2026 00:51
सूर्य	28/02/2026 04:53
चंद्र	10/03/2026 11:38
मंगल	17/03/2026 16:22
राहु	05/04/2026 04:30

शनि - गुरु - शनि	
05/04/2026 04:30	
29/08/2026 16:39	
शनि	28/04/2026 09:14
बुध	19/05/2026 03:21
केतु	27/05/2026 16:27
शुक्र	21/06/2026 02:29
सूर्य	28/06/2026 10:17
चंद्र	10/07/2026 15:18
मंगल	19/07/2026 04:24
राहु	10/08/2026 03:50
गुरु	29/08/2026 16:39

शनि - गुरु - बुध	
29/08/2026 16:39	
07/01/2027 18:40	
बुध	17/09/2026 06:20
केतु	24/09/2026 21:51
शुक्र	16/10/2026 18:11
सूर्य	23/10/2026 07:29
चंद्र	03/11/2026 05:39
मंगल	10/11/2026 21:10
राहु	30/11/2026 13:04
गुरु	18/12/2026 00:33
शनि	07/01/2027 18:40

शनि - गुरु - केतु	
07/01/2027 18:40	
02/03/2027 18:05	
केतु	10/01/2027 22:14
शुक्र	19/01/2027 22:08
सूर्य	22/01/2027 14:54
चंद्र	27/01/2027 02:51
मंगल	30/01/2027 06:25
राहु	07/02/2027 08:44
गुरु	14/02/2027 13:27
शनि	23/02/2027 02:34
बुध	02/03/2027 18:05

शनि - गुरु - शुक्र	
02/03/2027 18:05	
03/08/2027 23:17	
शुक्र	28/03/2027 10:57
सूर्य	05/04/2027 04:01
चंद्र	18/04/2027 00:27
मंगल	27/04/2027 00:21
राहु	20/05/2027 03:32
गुरु	09/06/2027 17:01
शनि	04/07/2027 03:03
बुध	25/07/2027 23:23
केतु	03/08/2027 23:17

शनि - गुरु - सूर्य	
03/08/2027 23:17	
19/09/2027 05:39	
सूर्य	06/08/2027 06:48
चंद्र	10/08/2027 03:20
मंगल	12/08/2027 20:06
राहु	19/08/2027 18:39
गुरु	25/08/2027 22:42
शनि	02/09/2027 06:31
बुध	08/09/2027 19:49
केतु	11/09/2027 12:35
शुक्र	19/09/2027 05:39

शनि - गुरु - चंद्र	
19/09/2027 05:39	
05/12/2027 08:15	
चंद्र	25/09/2027 15:52
मंगल	30/09/2027 03:49
राहु	11/10/2027 17:24
गुरु	22/10/2027 00:09
शनि	03/11/2027 05:10
बुध	14/11/2027 03:20
केतु	18/11/2027 15:17
शुक्र	01/12/2027 11:43
सूर्य	05/12/2027 08:15

शनि - गुरु - मंगल	
05/12/2027 08:15	
28/01/2028 07:40	
मंगल	08/12/2027 11:49
राहु	16/12/2027 14:07
गुरु	23/12/2027 18:51
शनि	01/01/2028 07:57
बुध	08/01/2028 23:28
केतु	12/01/2028 03:02
शुक्र	21/01/2028 02:56
सूर्य	23/01/2028 19:43
चंद्र	28/01/2028 07:40

शनि - गुरु - राहु	
28/01/2028 07:40	
15/06/2028 02:45	
राहु	18/02/2028 03:20
गुरु	07/03/2028 15:28
शनि	29/03/2028 14:53
बुध	18/04/2028 06:48
केतु	26/04/2028 09:06
शुक्र	19/05/2028 12:17
सूर्य	26/05/2028 10:50
चंद्र	07/06/2028 00:26
मंगल	15/06/2028 02:45

बुध - बुध - बुध	
15/06/2028 02:45	
17/10/2028 17:32	
बुध	02/07/2028 18:26
केतु	10/07/2028 00:54
शुक्र	30/07/2028 19:22
सूर्य	06/08/2028 00:54
चंद्र	16/08/2028 10:08
मंगल	23/08/2028 16:36
राहु	11/09/2028 09:13
गुरु	27/09/2028 23:59
शनि	17/10/2028 17:32

बुध - बुध - केतु	
17/10/2028 17:32	
08/12/2028 01:02	
केतु	20/10/2028 17:22
शुक्र	29/10/2028 06:37
सूर्य	31/10/2028 20:12
चंद्र	05/11/2028 02:49
मंगल	08/11/2028 02:39
राहु	15/11/2028 19:23
गुरु	22/11/2028 15:35
शनि	30/11/2028 18:34
बुध	08/12/2028 01:02

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा गर्मी आदि के द्वारा उत्पन्न रोगों से आप शारीरिक कष्ट की अनुभूति करेंगे। साथ ही मानसिक रूप से भी सामान्यतया अशान्त तथा असन्तुष्ट रहेंगे शत्रुपक्ष इस समय आपका प्रबल रहेगा तथा उनसे आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे तथा आपके लिए वे समय समय पर अनावश्यक समस्याएं तथा व्यवधान उत्पन्न करेंगे। इस वर्ष में आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में न्यूनता आएगी तथा लोकोपवाद से मान हानि की भी संभावना रहेगी। साथ ही आलस्य का भाव भी आप में विद्यमान रहेगा। पिता से भी इस समय आपको अल्प मात्रा में ही सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी एवं आपसी संबंधों में तनाव तथा कलह का वातावरण विद्यमान रहेगा। आर्थिक दृष्टि से भी यह वर्ष आपके लिए मध्यम रहेगा तथा लाभ मार्ग अवरूद्ध रहेंगे फलतः आपको समय समय पर आर्थिक कठिनाई रहेगी।

व्यापार तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए भी वर्ष विशेष अच्छा नहीं रहेगा इस समय व्यापार में समस्याएं रहेंगी तथा किसी प्रकार की हानि की भी संभावना रहेगी। साथ ही आय स्रोतों में भी व्यवधान उत्पन्न होंगे। नौकरी या राजनीति में इस समय आपके उच्चाधिकारी या वरिष्ठ सहयोगी आपसे अप्रसन्न रहेंगे जिससे आपकी पदोन्नति में विलम्ब होगा तथा कार्य क्षेत्र में भी इनसे कोई परेशानी हो सकती है। अतः ऐसे समय में इनकी आज्ञा का विनम्रता पूर्वक पालन करें तथा इनकी उपेक्षा न करें। इसके साथ ही आपकी कोई यात्रा भी होगी परन्तु इसमें विशेष लाभ नहीं होगा तथा यात्रा के मध्य कष्ट की संभावना रहेगी। अतः इस वर्ष को अत्यंत शान्ति तथा बुद्धिमता पूर्वक व्यतीत करें।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक कष्ट तथा परेशानी की अनुभूति करेंगे। इससे शरीर में दुर्बलता रहेगी तथा स्वभाव में चिड़चिड़ापन भी विद्यमान रहेगा ।साथ ही आपके सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी परिश्रम पूर्वक सिद्ध होंगे। शत्रुपक्ष से इस समय आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगी एवं वे आपके लिए यदा कदा अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेंगे जिससे आपको असुविधा होगी। इस समय आपके घर में चोरी आदि की भी संभावना रहेगी। अतः ऐसे समय में आपको सावधान तथा सतर्क रहना चाहिए।धर्म के प्रति इस समय आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा धार्मिक कार्यों की आप उपेक्षा करेंगे।इसके साथ ही मानसिक अशान्ति तथा असन्तुष्टि भी बनी रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र के लिए भी समय विशेष अच्छा नहीं रहेगा। नौकरी या राजनीति में इस समय आपको व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा तथा अधिकारी या वरिष्ठ नेता आपसे अप्रसन्न तथा असन्तुष्ट से रहेंगे।अतः इस समय इनकी आज्ञा का पालन करें तथा उनकी उपेक्षा न करें।व्यापार आदि में भी सहयोगियों से सावधान रहें तथा किसी नये कार्य पर व्यय न करें अन्यथा हानि की संभावना रहेगी। साथ ही इस समय आपको लोकोपवाद से मान हानि भी मिल सकती है तथा मुकद्दमे या चुनाव आदि में आपकी हार हो सकती है।इस समय आपकी दूर की कोई यात्रा भी होगी जिससे विशेष लाभ नहीं होगा तथा यात्रा के मध्य कष्ट की संभावना रहेगी। अतः ऐसे समय को धैर्य एवं शान्ति पूर्वक व्यतीत करना चाहिए।